

## सुपर टाइफून हिन्नामनॉर

### सन्दर्भ

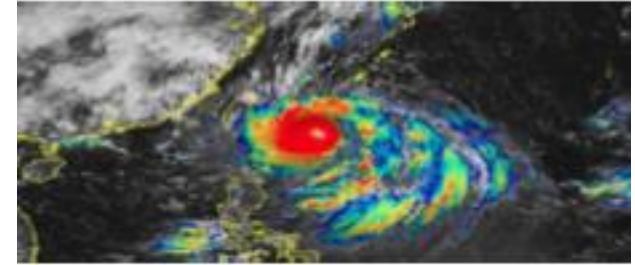
जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के पूर्वानुमान के अनुसार, तूफान पूर्वी चीन सागर की ओर बढ़ रहा है, जिससे जापान के दक्षिणी द्वीपों को खतरा है।

### प्रमुख बिंदु

• इस श्रेणी-5 के तूफान में हवा की स्थिर गति लगभग 241 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) है। यह इस वर्ष अब तक का सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।

### उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के बारे में

- उष्ण कटिबंधीय चक्रवात गर्म कोर निम्न दाब प्रणाली हैं।
- ये हमेशा महासागरों के ऊपर बनते हैं जहां समुद्र की सतह का तापमान और हवा का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है।
- उष्ण कटिबंधीय चक्रवात की ऊर्जा गर्म महासागरों के ऊपर बनने वाले संवहन बादलों द्वारा संघनन की गुप्त ऊष्मा से प्राप्त होती है। ये भूमध्य रेखा से आमतौर पर 5° से अधिक अक्षांशों पर विकसित होते हैं। गर्म उष्णकटिबंधीय पानी के ऊपर स्थित होने पर ये सबसे अधिक तीव्रता तक पहुँच जाते हैं।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात केवल दक्षिण अटलांटिक महासागर और दक्षिण पूर्वी प्रशांत महासागर को छोड़कर दुनिया के महासागरों पर बन सकते हैं, क्योंकि यहाँ समुद्र की सतह का तापमान ठंडा होता है और हवा का बहाव ऊँचाई पर होता है।
- वायु सर्पिल, उत्तरी गोलार्द्ध में (दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणावर्त) वामावर्त केंद्र की ओर और विपरीत दिशा में ऊपर से बाहर की ओर चलता है।



### उष्णकटिबंधीय चक्रवात की संरचना

- एक पूर्ण विकसित चक्रवाती तूफान में, क्षैतिज संरचना के चार प्रमुख घटक होते हैं अर्थात् आँख, बादल क्षेत्र, वर्षा और बाहरी तूफान क्षेत्र।
- चक्रवाती तूफान की उर्ध्वाधर संरचना को तीन परतों में विभाजित किया जा सकता है। अंतर्वाह परत (3 किमी की ऊँचाई तक), मध्य परत (3-7.6 किमी) और बहिर्वाह परत (>7.6 किमी)।

श्रेणी	तूफान में अधिकतम वायु गति
1) निम्न दाब क्षेत्र (एल)	< 30 कि.मी. प्रति घंटा
2) अवदाब (डी)	30 - 50 कि.मी. प्रति घंटा
3) गहन गर्त (डीडी)	50 - 60 कि.मी. प्रति घंटा
4) चक्रवाती तूफान (सी एस)	60 - 90 कि.मी. प्रति घंटा
5) गंभीर चक्रवाती तूफान (एस सी एस)	90 - 120 कि.मी. प्रति घंटा
6) बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान (वी एस सी एस)	120 - 220 कि.मी. प्रति घंटा
7) महाविनाशकारी चक्रवात तूफान (सुपर साइक्लोन तूफान) (वी एस सी एस)	> 220 कि.मी. प्रति घंटा

## रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2022

### सन्दर्भ

हाल ही में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2022 के विजेताओं की घोषणा की गई।

### प्रमुख बिंदु

- वार्षिक पुरस्कारों का नाम एक फिलीपीन राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया है, जिनकी 1957 में विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने एशिया के लोगों की निस्वार्थ सेवा की है।
- यह फिलीपीन सरकार की सहमति से न्यूयॉर्क शहर में स्थित रॉकफेलर ब्रदर्स फंड के ट्रस्टियों द्वारा अप्रैल 1957 में स्थापित किया गया था। पुरस्कार पहली बार 1958 में दिए गए थे। विनोबा भावे 1958 में पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे।



## Face to Face Centres



## इस वर्ष के विजेताओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी

- सोथियारा छिम, मनोचिकित्सक (कंबोडिया): खमेर रूज के शासन में सताए गए पीड़ितों का इलाज कर रहे एक कंबोडियाई मनोचिकित्सक हैं।
- तदाशी हटोरी, नेत्र रोग विशेषज्ञ (जापान): स्थानीय डॉक्टरों को प्रशिक्षण देना जिन्होंने हजारों वियतनामियों का इलाज किया है।
- बर्नाडेट मैड्रिड, बाल रोग विशेषज्ञ (फिलीपींस): बाल शोषण को संबोधित करने के लिए उपचार प्रदान करना, जागरूकता बढ़ाना और नीति-निर्माताओं और नागरिक समूहों को शामिल करना।
- गैरी बेनचेघिब, कार्यकर्ता और फिल्म निर्माता (इंडोनेशिया): प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ सक्रियता।

## मोक्सी

### संदर्भ

लंचबॉक्स के आकार का एक उपकरण मंगल ग्रह पर सांस लेने योग्य ऑक्सीजन का सफलतापूर्वक उत्पादन कर रहा है

### प्रमुख बिंदु

- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) द्वारा विकसित मार्स ऑक्सीजन इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन एक्सपेरिमेंट (MOXIE) एक पेड़ की तरह काम करता है, यह शुद्ध ऑक्सीजन का उत्पादन करने के लिए वातावरण से अवशोषित कार्बन डाइऑक्साइड को विभाजित करता है।
- इसे नासा के पर्सवैरेंस रोवर पर मंगल ग्रह पर भेजा गया था जो अप्रैल 2021 में मंगल पर उतरा था।
- इस उपकरण ने एक मध्यम आकार के पेड़ के समान प्रति घंटे 6 ग्राम ऑक्सीजन का उत्पादन किया।
- पहले फिल्टर की गई और दबाव वाली हवा को एक उपकरण (एसओएक्सई: सॉलिड ऑक्साइड इलेक्ट्रोलाइजर) के माध्यम से भेजा जाता है जो कार्बन डाइऑक्साइड युक्त हवा को ऑक्सीजन आयनों और कार्बन मोनोऑक्साइड में विद्युत रूप से विभाजित करता है।
- ऑक्सीजन आयनों को अलग किया जाता है और सांस लेने योग्य, आणविक ऑक्सीजन (O<sub>2</sub>) बनाने के लिए पुनः संयोजित किया जाता है।



## विकिरण विरोधी गोलियां

### संदर्भ

यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया बिजली संयंत्र में एक परमाणु आपदा की आशंका के साथ, यूरोपीय संघ ने आसपास के निवासियों के बीच वितरित करने के लिए 5.5 मिलियन विकिरण विरोधी गोलियों की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है।

### विकिरण-विरोधी गोलियां क्या हैं?

- पोटेशियम आयोडाइड (KI) की गोलियां, या विकिरण-विरोधी गोलियां, विकिरण जोखिम के मामलों में कुछ सुरक्षा प्रदान करने के लिए जानी जाती हैं।
- इनमें विकिरण-विरोधी आयोडीन होता है और यह थायरॉयड ग्रंथि में रेडियोधर्मी आयोडीन के अवशोषण और एकत्रीकरण को अवरुद्ध करने में मदद कर सकता है।

### विकिरण आपातकाल के मामले में ये लोगों की रक्षा कैसे करेंगी?

- विकिरण रिसाव के बाद, रेडियोधर्मी आयोडीन हवा में मिलकर भोजन, पानी और मिट्टी को संदूषित करता है।
- आंतरिक जोखिम, या विकिरण, तब होता है जब रेडियोधर्मी आयोडीन शरीर में प्रवेश करता है और थायरॉयड ग्रंथि में जमा हो जाता है।
- थायरॉयड ग्रंथि, जो शरीर के चयापचय को नियंत्रित करने के लिए हार्मोन का उत्पादन करने के लिए आयोडीन का उपयोग करती है, के पास गैर-रेडियोधर्मी आयोडीन से रेडियोधर्मी में अंतर करने का कोई तरीका नहीं है।
- पोटेशियम आयोडाइड (KI) की गोलियां 'थायरॉयड ब्लॉकिंग' हासिल करने के लिए इसी पर निर्भर करती हैं। विकिरण के संपर्क में आने से कुछ घंटे पहले या उसके तुरंत बाद ली गई केआई गोलियां यह सुनिश्चित करती हैं कि दवा में गैर-रेडियोधर्मी आयोडीन थायरॉयड को "पूर्ण" बनाने के लिए जल्दी से अवशोषित हो जाए।

### सीमाएं

- केआई गोलियां केवल निवारक हैं और विकिरण द्वारा थायरॉयड ग्रंथि को हुए किसी भी नुकसान को उलट नहीं सकती हैं।
- एक बार जब थायरॉयड ग्रंथि रेडियोधर्मी आयोडीन को अवशोषित कर लेती है, तो इसके संपर्क में आने वालों में थायरॉयड कैंसर विकसित होने का उच्च जोखिम होता है।
- विकिरण रोधी गोलियां 100% सुरक्षा प्रदान नहीं करती हैं। KI की प्रभावशीलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि शरीर में कितना रेडियोधर्मी आयोडीन मिलता है और यह कितनी जल्दी शरीर में अवशोषित हो जाता है। गोलियां हर किसी पर असर नहीं करती हैं।
- 40 साल से कम उम्र के लोगों को यह गोलीया दी जाती है।
- हालांकि यह रेडियोधर्मी आयोडीन से थायरॉयड की रक्षा कर सकता है, लेकिन यह अन्य अंगों को विकिरण संदूषण से नहीं बचा सकता है।

## Face to Face Centres

## इंद्रधनुषीय बादल

### सन्दर्भ

हाल ही में चीन के ऊपर दिखाई देने वाले असामान्य रूप से आकार के इंद्रधनुषी बादल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गईं। यह बादल, पिलीयस क्लाउड जैसा दिखता है, और बादल पर चमकीले रंगों के प्रकट होने की घटना को इंद्रधनुषी बादल कहा जाता है।

### पिलीयस क्लाउड क्या है?

- पिलीयस क्लाउड आमतौर पर क्यूम्युलस या क्यूम्युलोनिम्बस बादल के ऊपर बनता है।
- यह तब बनता है जब बादल हवा की नम धारा को ऊपर की ओर धकेलता है और जलवाष्प संघनित होकर कुछ हद तक लहर जैसी शिखाओं जैसा प्रतीत होता है।
- पिलीयस क्लाउड प्रकृति में क्षणिक होता है और मुश्किल से कुछ मिनटों तक ही रहता है, जिससे इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।



### इंद्रधनुषी बादल क्या है?

- इंद्रधनुषीपन बादल या इराइजेशन एक ऑप्टिकल घटना है जो ज्यादातर लहर जैसे बादलों में होती है, जिसमें पिलीयस और आल्टोक्यूम्युलस लेंटिक्युलिस शामिल हैं।
- बादलों में इंद्रधनुषी रंग का मतलब बादलों पर रंगों का दिखना है, जो या तो इंद्रधनुष की तरह समानांतर बैंड के रूप में हो सकते हैं, या टुकड़ों में मिल सकते हैं।
- फोटोमीटर : बादलों का इंद्रधनुषीपन एक प्रकाश उल्का या प्रकाशीय घटना है जो सूर्य के प्रकाश के परावर्तन, अपवर्तन, विवर्तन या हस्तक्षेप से उत्पन्न होती है।

## फॉरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य

### सन्दर्भ

दिल्ली पुलिस छह साल से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य के संग्रह को अनिवार्य करने वाली देश की पहली पुलिस बल बन गई है।

### प्रमुख बिंदु

- दोषसिद्धि दर को अधिक करने और आपराधिक न्याय प्रणाली को फॉरेंसिक विज्ञान जांच के साथ एकीकृत करने के लिए, उन सभी मामलों में फॉरेंसिक उपकरणों का उपयोग अनिवार्य रूप से करने का निर्णय लिया गया है जहां सजा 6 साल से अधिक है।
- हाल ही में जारी एनसीआरबी की रिपोर्ट में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 40% की वृद्धि देखी गई, जो देश के सभी महानगरों में सबसे अधिक है।
- जिलों में दिल्ली पुलिस की अपनी मोबाइल क्राइम वैन के अलावा, जब भी ऐसी कोई आवश्यकता होती है, तो आईओ को मौके पर वैज्ञानिक और फॉरेंसिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले को एक फॉरेंसिक मोबाइल वैन आवंटित की जाएगी।
- ये वाहन पूरी तरह से वैज्ञानिक उपकरणों से लैस होंगे और प्रत्येक वैन में पर्याप्त संख्या में फॉरेंसिक सहायकों का विवरण होगा। फॉरेंसिक मोबाइल वैन शहर की पुलिस के प्रशासनिक नियंत्रण में नहीं होंगी, लेकिन कानून की अदालत के लिए जिम्मेदार स्वतंत्र संस्थाएं होंगी।



## स्वामी राजर्षि मुनि

### सन्दर्भ

हाल ही में प्रधानमंत्री ने लकुलीश परंपरा के कुलगुरु स्वामी राजर्षि मुनि के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

### लकुलीश के बारे में

- लकुलीश (जिसका अर्थ है एक कर्मचारी या गदा या क्लब या छड़ी के साथ भगवान) शैव धर्म के सबसे पुराने संप्रदायों में से एक, पाशुपतों के सिद्धांत के एक प्रमुख शैव पुनरुत्थानवादी, सुधारवादी और उपदेशक थे।
- कुछ विद्वानों के अनुसार, लकुलीश पाशुपत संप्रदाय के संस्थापक हैं।
- इसी परंपरा के अनुसार, लकुलीश के चार शिष्य थे, जैसे, कौरुष्य, गर्ग, मित्र और कुशिका।
- स्कंद पुराण के अवंती खंड में वर्णित एक अन्य परंपरा के अनुसार, लकुलीश और उनके चार शिष्यों ने महाकालवन से गुजरते हुए उस स्थान पर एक लिंग स्थापित किया, जिसे तब कायवरोहनेश्वर के नाम से जाना जाता था।



## Face to Face Centres





- लकुलीश दिव्य पूर्वानुमानों का परिणाम था।
- वायु पुराण के अनुसार, लकुलीश व्यास और कृष्ण के समकालीन थे, और रुद्र (शिव) के 28वें अवतार थे।
- लकुलीश पाशुपत की पहचान 'द्वैतवादी के साथ-गैर-द्वैतवादी अद्वैतवाद' (भेद-अभेद) शैववाद के रूप में की गई है, और योग प्रणाली पर जोर दिया गया था।
- पाशुपत संप्रदाय का मुख्य पाठ, पाशुपत सूत्र लकुलीश को समर्पित है।

## तेजस मार्क-2 परियोजना

### सन्दर्भ

सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने तेजस मार्क -2 परियोजना को मंजूरी दे दी है।

### प्रमुख बिंदु

- सीसीएस ने प्रोटोटाइप, उड़ान परीक्षण और प्रमाणन के साथ तेजस मार्क -2 लड़ाकू जेट के डिजाइन और विकास के लिए 6,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।
- तेजस एलसीए के उन्नत संस्करण में इसकी उड़ान और लड़ने की क्षमताओं में कई परिवर्धन शामिल होंगे।
- तेजस 2.0 98 किलोन्यूटन थ्रस्ट क्लास में अधिक शक्तिशाली GE-F414 इंजन से लैस होगा, जो इसे अपनी उड़ान रेंज का विस्तार करने और मौजूदा संस्करण की तुलना में अतिरिक्त पेलोड और हथियार ले जाने की अनुमति देगा। तेजस मार्क-2 जेट की पेलोड क्षमता मौजूदा संस्करण के तीन टन की तुलना में चार टन होगी।
- इसके अलावा, नया जेट स्वदेशी रूप से विकसित एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार से भी लैस होगा, जो मौजूदा ईएलटीए के ईएल/एम-2032 मल्टी-मोड रडार से बड़ा अपग्रेड होगा।



### महत्व

- इस निर्णय से अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के स्वदेशी डिजाइन विकास को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।
- यह विमान निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की पहल को आगे बढ़ाएगा।

## ई-आवास वेब पोर्टल

### सन्दर्भ

गृह मंत्री ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के ई आवास वेब-पोर्टल का शुभारंभ किया।

### प्रमुख बिंदु

- आवंटन की संशोधित नीति को क्रियान्वित करने के लिए और आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए सीएपीएफ और असम राइफल्स द्वारा आयोजित विभागीय पूल आवासीय और अलग परिवार आवास (एसएफए) के ऑनलाइन आवंटन के लिए 'सीएपीएफ ई आवास' नाम से एक सामान्य वेब पोर्टल विकसित किया गया है।
- वेब पोर्टल सभी सीएपीएफ और असम राइफल्स के पात्र कर्मियों को आवासीय क्वार्टरों/एसएफए के ऑनलाइन पंजीकरण और आवंटन को सक्षम करेगा। पोर्टल में आवंटन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में आवेदक को एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से सूचना देने का प्रावधान है।
- पोर्टल मांग-अंतर विश्लेषण के आधार पर नए क्वार्टरों के निर्माण की योजना बनाने में भी सुविधा प्रदान करेगा।



- महत्व: सरकार की पहल आवासीय आवास के अंतर-बल आवंटन को सक्षम करके बल कर्मियों के कल्याण की दिशा में एक कदम है जो बल कर्मियों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी। अंतर-बल आवंटन के इस प्रावधान के परिणामस्वरूप उपलब्ध घरों का इष्टतम उपयोग होगा।

### सीएपीएफ के बारे में

- यह गृह मंत्रालय के तहत भारत संघ के छह बलों के लिए एक समान नामकरण है। ये बल हैं:-

असम राइफल्स (एआर),

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ),

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF),

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ),

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और

सशस्त्र सीमा बल (SSB)।

## Face to Face Centres



## अन्य महत्वपूर्ण खबरें

### बल्क ड्रग पार्क

#### सन्दर्भ

फार्मास्युटिकल विभाग ने "बल्क ड्रग पार्कों को बढ़ावा देने" की योजना के तहत तीन राज्यों हिमाचल प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को 'सैद्धांतिक रूप से' मंजूरी दे दी है।

#### प्रमुख बिंदु

- योजना, 3,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 2020 में अधिसूचित की गयी, परियोजना लागत के 70% की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए, यह 90% होगा।
- इस योजना के तहत विकसित किए जाने वाले बल्क ड्रग पार्क एक ही स्थान पर सामान्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेंगे जिससे विनिर्माण लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग मात्रा के हिसाब से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है।



### कोडशेयर समझौता

#### सन्दर्भ

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन ने यूके कैरियर के साथ कोडशेयर समझौता किया है।

#### प्रमुख बिंदु

- कोडशेयर समझौता विमानन उद्योग के क्षेत्र में एक आम व्यवस्था है।
- कोडशेयर समझौते के तहत, एयरलाइंस अपने संबंधित ग्राहकों को एक व्यापक नेटवर्क प्रदान करने के लिए एक-दूसरे की उड़ानों में सीटें बेचने के लिए सहमत होती हैं।
- इसका मतलब यह है कि एयरलाइंस अपनी प्रकाशित समय सारिणी या अनुसूची के हिस्से के रूप में उसी उड़ान को अपने स्वयं के एयरलाइन डिज़ाइनर और उड़ान संख्या ("एयरलाइन उड़ान कोड") के तहत प्रकाशित और विपणन करती हैं।
- शब्द "कोड" एक उड़ान अनुसूची में प्रयुक्त पहचानकर्ता को आम तौर पर दो-वर्ण आईएटीए एयरलाइन डिज़ाइनर कोड और उड़ान संख्या संदर्भित करता है, ।



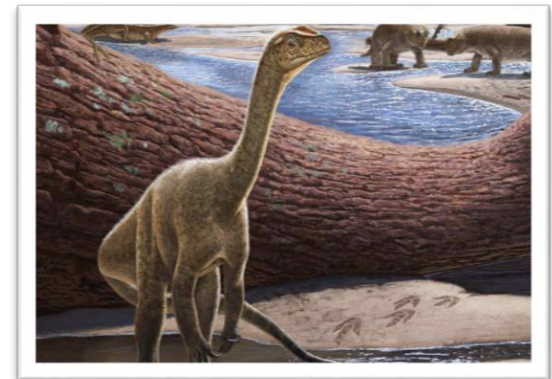
### एमबिरेसॉरस राठी

#### सन्दर्भ

अफ्रीका का सबसे पुराना डायनासोर उत्तरी जिम्बाब्वे में खोजा गया।

#### प्रमुख बिंदु

- लंबी गर्दन वाला डायनासोर, लगभग 6 फीट लंबा और 10 से 30 किलोग्राम वजन का माना जाता है।
- डायनासोर अपने छोटे, दाँतेदार दांतों के आधार पर एक सर्वाहारी या शाकाहारी हो सकता है, जो आकार में त्रिकोणीय थे।
- सबसे पुराने ज्ञात डायनासोर, लगभग 230 मिलियन वर्ष पहले के लेट ट्राइसिक काल के कार्निवोर चरण से डेटिंग, अत्यंत दुर्लभ हैं और दुनिया भर में केवल कुछ ही स्थानों, जैसे कि उत्तरी अर्जेंटीना, दक्षिणी ब्राजील और भारत में खोजे गए हैं।



## Face to Face Centres





## चीन के शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

### सन्दर्भ

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने हाल ही में चीन के शिनजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकारों की चिंताओं का आकलन जारी किया है।

### प्रमुख बिंदु

- 2017 के अंत से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्र के संज्ञान में लाए गए उइघुरों और अन्य मुस्लिम बहुल समुदायों के खिलाफ मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर आरोपों के बाद मूल्यांकन शुरू किया गया था।
- इसने चीनी सरकार को प्रशिक्षण केन्द्रों, जेलों या निरोध सुविधाओं में बंद सभी लोगों को रिहा करने के लिए त्वरित कदम उठाने की सिफारिश की।
- सूचना का मूल्यांकन लागू अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के खिलाफ किया गया था, और यह संयुक्त राष्ट्र के कई मानवाधिकार तंत्रों के काम पर आधारित है।



[MCQ](#), [Current Affairs](#), [Daily Pre Pare](#)

## Face to Face Centres

